MSK-25

‘संस्कृत साहित्य में विज्ञान’ में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(PGSKT)

सत्रीय कार्य (Assignment)

(जुलाई, 2026 एवं जनवरी, 2027 सत्रों के लिए)

MSK-25 लौकिक संस्कृत साहित्य में विज्ञान

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

‘संस्कृत साहित्य में विज्ञान’ में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

MSK-025

सत्रीय कार्य (2026–27)

पाठ्यक्रम कोड : MSK-025/2026-27

प्रिय छात्रों/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य है, इसके लिए 100 अंक निर्धारित हैं। इस सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

उद्देश्य : आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, इसी का मूल्यांकन करना इस सत्रीय कार्य का उद्देश्य है, यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़ियेः

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे प्रदर्शित हैः

अनुक्रमांक :...
नाम :...
पता :..

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :........................
सत्रीय कार्य कोड :.....................................
अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :..................................
दिनांक :..

3) उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का प्रयोग करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

4) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।

5) सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक तवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अन्तिम तिथि :

- **जुलाई 2026 में प्रवेश लिए छात्रों के लिए – 31 मार्च, 2027**
- **जनवरी 2027 में प्रवेश लिए छात्रों के लिए : 30 सितंबर, 2027**

विशेष ध्यातव्यः

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगाः

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। पुनः इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी महत्वपूर्ण बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास :** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबन्धात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।
3. यह सुनिश्चित कर लीजिए किः
   क) आपका उत्तर तार्किक एवं क्रमबद्ध हो।
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्टता हो।
   ग) दिया गया उत्तर आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
   घ) कोई भी उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक न हो।
   ङ.) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों।
4. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएं, तो उसको साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
5. **विशेष :** अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

नोट : विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

लौकिक संस्कृत साहित्य में विज्ञान
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : MSK-025
सत्रीय कार्य कोड : MSK-025/2026-27

नोट : यह सत्रीय कार्य 02 खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। 15 अंक प्रश्नों का विस्तृत उत्तर दीजिए। 10 अंक के प्रश्नों का लगभग आठ सौ शब्दों में उत्तर देना है।

खण्ड–1

निर्देश– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिएः

15X4=60

1. रामायण में वर्णित रथादि निर्माण विद्या, शस्त्रास्त्र विज्ञान तथा ज्योतिष विज्ञान का विस्तृत रूप से वर्णन करें।
2. महाभारत में वर्णित आयुर्विज्ञान एवं पशु चिकित्सा, मनोविज्ञान, वास्तुविज्ञान पर प्रकाश डालें।
3. बृहत्त्रयी में वर्णित मनोविज्ञान, वास्तुविज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान पर निबंध लिखें।
4. बौद्ध साहित्य में वर्णित पर्यावरण एवं सतत विकास, आयुर्विज्ञान एवं मनोविज्ञान का विस्तृत रूप से वर्णन करें।
5. रामायण में वर्णित पर्यावरण विज्ञान एवं वास्तुविज्ञान पर विस्तृत रूप से निबंध लिखें।
6. महाभारत में दिए गए पर्यावरण विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा रसायन विज्ञान पर प्रकाश डालें।

खण्ड–2

निर्देश– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिएः

4X10=40

1. रामायण में वर्णित पुष्पक विमान की अवधारणा का वर्णन करें।
2. महाभारत एवं गर्भ विज्ञान का विस्तृत रूप से वर्णन करें।
3. रामायणकालिन वनस्पतियों एवं खाद्यानों का महत्व तथा उसकी उपयोगिता को स्पष्ट करें।
4. बृहत्त्रयी में दिए गए ज्योतिष विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
5. बौद्ध साहित्य में वर्णित मूर्तिकला पर निबंध लिखें।
6. महाभारत और ग्रहों की परिधि पर प्रकाश डालें।